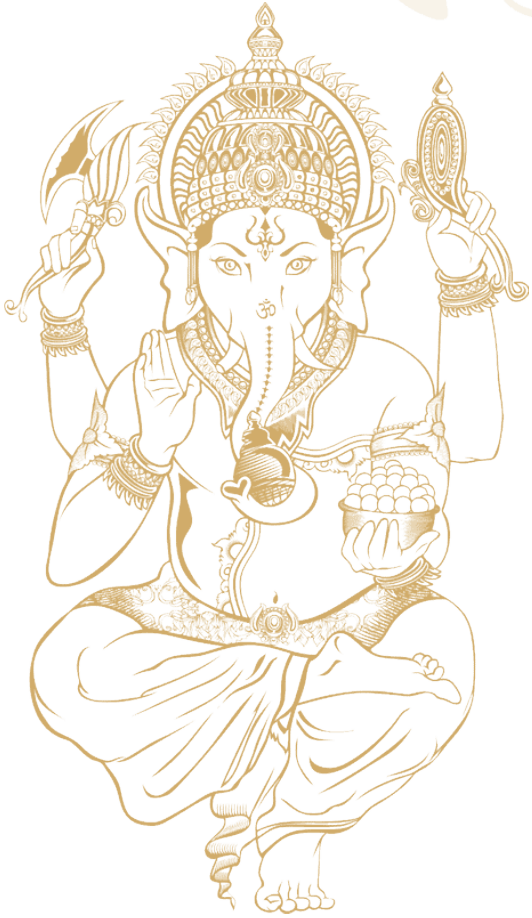

Vivak Jaswal.

01 Mar 1995

01:55 PM

Banda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121292107

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/03/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**13:55:00 घंटे**
इष्ट	18:14:41 घटी
स्थान	**Banda**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:01:00 उत्तर
रेखांश	78:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:40:56 घंटे
वेलान्तर	-00:12:30 घंटे
साम्पातिक काल	00:15:38 घंटे
सूर्योदय	06:37:07 घंटे
सूर्यास्त	18:16:16 घंटे
दिनमान	11:39:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:29:27 कुम्भ
लग्न के अंश	19:43:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्ध
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:43:23	318:37:16	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	16:29:27	01:00:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	14:44:38	13:25:49	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
मंगल	व		कर्क	22:51:19	00:17:42	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध			मक	19:28:39	01:00:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
गुरु			वृश्चि	20:06:52	00:05:32	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मक	04:21:46	01:10:17	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	20:38:23	00:07:22	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु	व		तुला	13:17:50	00:09:38	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	13:17:50	00:09:38	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:00:46	00:02:52	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:52:49	00:01:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:48:36	00:00:06	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मीन	10:28:00	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:34

लग्न-चलित

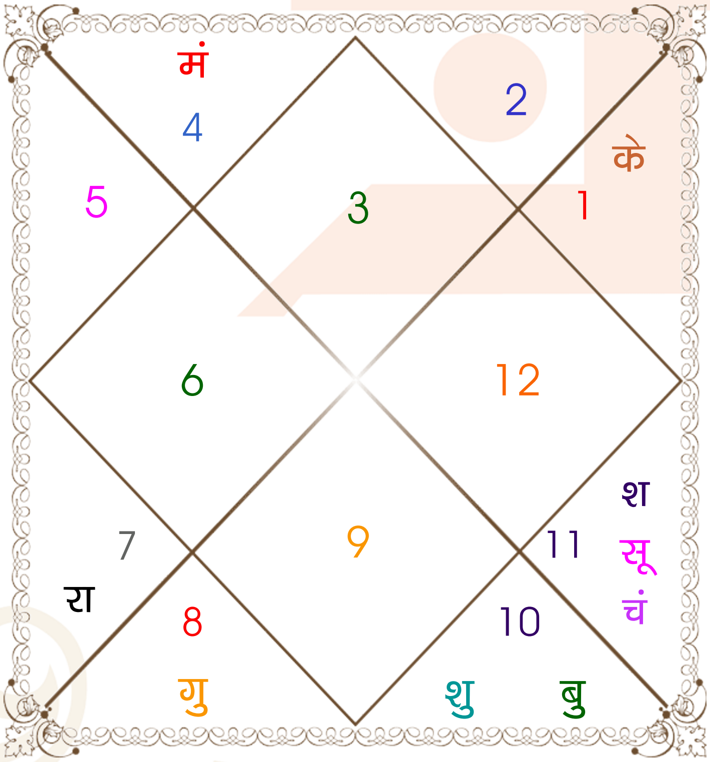

चन्द्र कुंडली

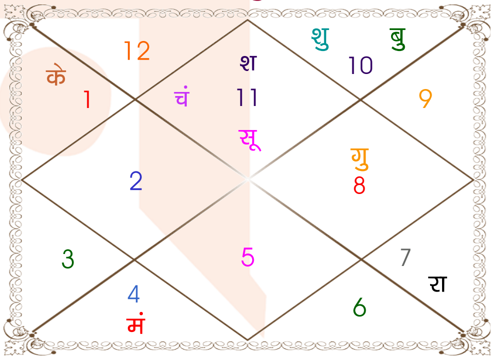

नवमांश कुंडली

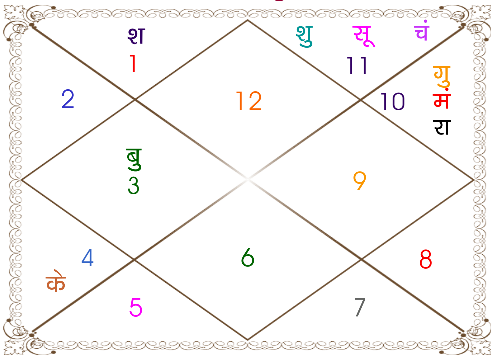

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 1 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/03/1995		05/04/2002		05/04/2018		05/04/2037		05/04/2054	
05/04/2002		05/04/2018		05/04/2037		05/04/2054		05/04/2061	
	00/00/0000	गुरु	23/05/2004	शनि	08/04/2021	बुध	01/09/2039	केतु	01/09/2054
	00/00/0000	शनि	04/12/2006	बुध	17/12/2023	केतु	28/08/2040	शुक्र	01/11/2055
	00/00/0000	बुध	11/03/2009	केतु	25/01/2025	शुक्र	29/06/2043	सूर्य	08/03/2056
	01/03/1995	केतु	15/02/2010	शुक्र	26/03/2028	सूर्य	05/05/2044	चंद्र	07/10/2056
केतु	23/10/1995	शुक्र	16/10/2012	सूर्य	08/03/2029	चंद्र	04/10/2045	मंगल	05/03/2057
शुक्र	23/10/1998	सूर्य	04/08/2013	चंद्र	07/10/2030	मंगल	01/10/2046	राहु	24/03/2058
सूर्य	16/09/1999	चंद्र	04/12/2014	मंगल	16/11/2031	राहु	20/04/2049	गुरु	28/02/2059
चंद्र	17/03/2001	मंगल	10/11/2015	राहु	22/09/2034	गुरु	27/07/2051	शनि	07/04/2060
मंगल	05/04/2002	राहु	05/04/2018	गुरु	05/04/2037	शनि	05/04/2054	बुध	05/04/2061

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/04/2061		05/04/2081		05/04/2087		05/04/2097		05/04/2104	
05/04/2081		05/04/2087		05/04/2097		05/04/2104		00/00/0000	
शुक्र	04/08/2064	सूर्य	23/07/2081	चंद्र	03/02/2088	मंगल	01/09/2097	राहु	17/12/2106
सूर्य	04/08/2065	चंद्र	22/01/2082	मंगल	03/09/2088	राहु	19/09/2098	गुरु	12/05/2109
चंद्र	05/04/2067	मंगल	30/05/2082	राहु	05/03/2090	गुरु	26/08/2099	शनि	18/03/2112
मंगल	04/06/2068	राहु	23/04/2083	गुरु	05/07/2091	शनि	05/10/2100	बुध	05/10/2114
राहु	05/06/2071	गुरु	10/02/2084	शनि	03/02/2093	बुध	02/10/2101	केतु	02/03/2115
गुरु	03/02/2074	शनि	22/01/2085	बुध	05/07/2094	केतु	28/02/2102		00/00/0000
शनि	05/04/2077	बुध	28/11/2085	केतु	03/02/2095	शुक्र	30/04/2103		00/00/0000
बुध	03/02/2080	केतु	05/04/2086	शुक्र	04/10/2096	सूर्य	05/09/2103		00/00/0000
केतु	05/04/2081	शुक्र	05/04/2087	सूर्य	05/04/2097	चंद्र	05/04/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 1 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।